जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

3 फरवरी, 2025

प्रेस विज्ञप्ति

सीएसएसआई, जेएमआई के छात्रों ने विकसित भारत@2047 पहल के अंतर्गत आउटरीच कार्यकलाप के रूप में अल-खैर को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड का दौरा किया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के सामाजिक समावेशन अध्ययन केंद्र (सीएसएसआई) ने विकसित भारत@2047 पहल के तत्वावधान में भारतीय ज्ञान प्रणाली पर एक आउटरीच कार्यकलाप का सफलतापूर्वक आयोजन किया जिसका विषय वित्तीय समावेशन था। 30 जनवरी, 2025 को आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को सहकारी वित्तीय संस्थानों और सामाजिक एवं आर्थिक समावेशन को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करना था।

कार्यकलाप की शुरुआत सीएसएसआई परिसर से जाकिर नगर में अल-खैर को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड के कार्यालय तक एक रैली के साथ हुई। उत्साही छात्रों ने वित्तीय समावेशन की वकालत करने वाले पोस्टर और बैनर थामे हुए थे जो हाशिए पर रहने वाले समुदायों को सशक्त बनाने में सहकारी बैंकिंग के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ा रहे थे।

संगठन के वरिष्ठ प्रतिनिधि श्रीमान रेयाज ने अल-खैर कार्यालय पहुंचने पर छात्रों को सहकारी ऋण सोसायटी की संरचना, कार्यप्रणाली और प्रभाव के बारे में जानकारी दी। उनकी प्रस्तुति ने समाज के वंचित वर्गों को सुलभ वित्तीय सेवाएं प्रदान करने में ऐसी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर रोशनी डाली ।

सीएसएसआई के डॉ. अरविंद कुमार ने आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में वित्तीय सहकारी समितियों के महत्त्व पर बल देते हुए एक व्यावहारिक वक्तव्य दिया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि इस प्रकार की पहल किस प्रकार से विकसित भारत 2047 के व्यापक दृष्टिकोण के साथ संरेखित होती है जिसमें वित्तीय समावेशन राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एक गत्यात्मक प्रश्नोत्तर सत्र हुआ जिसमें छात्रों को विशेषज्ञों के साथ जुड़ने, अपने संदेहों को स्पष्ट करने और सहकारी वित्तीय मॉडल के बारे में अपनी समझ को बढ़ाने का मौका मिला। इस इंटरैक्टिव सत्र ने छात्रों को वैकल्पिक बैंकिंग प्रणालियों के बारे में ज्ञान से लैस करते हुए बहुमूल्य अधिगम के अवसर प्रदान किए जो समावेशन और समानता को बढ़ावा देते हैं।

आउटरीच अनुभव को और समृद्ध करने के लिए संकाय सदस्यों और छात्रों ने अल-खैर को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड के लाभार्थियों के साथ साक्षात्कार आयोजित किए। इन आपसी बातचीत के सत्रों ने जीवन को बदलने, उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और हाशिए पर रहें वाले समूहों के बीच वित्तीय स्वतंत्रता को सक्षम करने में सहकारी वित्त के ठोस प्रभाव पर रोशनी डाली ।

धन्यवाद ज्ञापन और भविष्य में भी सहयोग जारी रखने के लिए दोनों पक्षों की ओर से नई प्रतिबद्धता के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। सीएसएसआई ने समावेशी तथा प्रगतिशील भारत में योगदान देने वाले शैक्षणिक एवं व्यावहारिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए अपने समर्पण की पुष्टि की। छात्रों ने सामाजिक न्याय के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में वित्तीय समावेशन की नई समझ भी व्यक्त की।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया